

366 का उद्देश्य प्रत्येक निवासियों के निवास
 एवं इसी प्रकार आ. सं 362 जो गाँव के
 नाम दर्ज होकर इस आवासीय के परिधि
 में ही कुछ इलाक़ों को और निकालने
 के विधानों में आ. सं 363 के परिधि
 परिधि को भी आ. सं 364 से 368
 तक कोई खोद नहीं है।

प्रजापति का आदेशानुसार अवलोकन
 किया तथा प्रजापति में उपलब्ध
 साक्ष्य परिलेखानों का गहनता से
 अध्ययन किया।

एक वाली खेड़ा के आ. सं
 158 खबर 15.03 बीघा (साबिक)
 खेतदार खेड़ा 50 हेक्टर कुल स.
 यह के नाम दर्ज रेजिस्ट्री में जो
 खेड़ा के क्षेत्र होने के कारण
 विस्तृत से खाता राजमाल, अहमद
 सि. खेड़ा कुल के नाम दर्ज
 हुआ। एक वाली खेड़ा के साबिक

आवासीय सं 158 में खबर 15.03
 बीघा क्षेत्र के लाल सं आ. सं
 357 358 359 360 361
 0.09 0.05 0.26 0.95 0.01
 362 363 नं. बंके की लिखित
 0.02 1.95

मिलान इलाक़ा से होती हैं।
 मुंबई विधान आवासीय संख्या 397,
 396, 364, 363, 366, 372, में जिस
 स्थान पर बंके लाल लिखित
 कर रही हैं उनके अ उद्देश्य के
 से पूरे के बंके आ. सं 180, 181
 175, 159, 174, 158, 160, 161
 सं. उक्त स्थान पर किसी भी तरह
 के बंके लाल लिखित नहीं
 हैं। अतः अ उद्देश्य से बंके के

प्रमाण में उक्त स्थान पर बाह्य डाक
 लिफ्ट नहीं है। ग्राम कार्यालय
 तहसील जयसिंग की लिफ्टारी अधिका
 री जायसी संख्या 363 की लिफ्टारी
 परिचय नरक राजसूब नकशे में जो
 लिफ्ट लाइन अंकित है तथा जायसी
 संख्या 397, 364, 365, 366, 372
 में जो लिफ्ट लाइन इशारे रखी है
 उसे भी बाह्य न्यायालय हवान की जयसिंग
 की जयसी को अंकित समझता है।

अतः जयसिंग का प्रान्त
 अंकित धारा 136 ए.र. अ.ए. का
 स्वीकार योग्य माना जाता है अतः

जोड़ा

जयसिंग का प्रान्त अंकित धारा
 136 ए.र. अ.ए. का स्वीकार किया
 जाता है तथा एक नाली लेन की
 जायसी नं. 363 की लिफ्टारी परिचय
 नरक राजसूब नकशे में जो लिफ्ट
 लाइन अंकित है उसे हवान बाबत
 जोड़ा किया जाता है एवं जायसी
 नं. 397, 364, 366, 372 में जो जो
 लिफ्ट लाइन इशारे रखी है उसे
 भी हवान बाबत जोड़ा किया जाता
 है। नकशे में उक्त प्रकार सही
 स्थान बाबत सही प्रकार सही
 का अंकित किया जाता है।
 प्रमाण बाह्य न्यायालय में
 प्रमाण द्वारा होकर मान्य हो जाय है।

सहायक कलेक्टर
 (प्रमाण अधिका) श्री
 श्रीमान् जिला मजिस्ट्रेट (प्रमाण)